हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

11 लघु सचिवालय से हरी झंडी दिखा जागरूकता मार्च को किया रवाना

12 लोकल चैनलों पर प्रसारित कार्यक्रमों पर रहेगी नजर

खबर संक्षेप

टिकट के बकाया पांच रुपये मांगने पर सवारी से मारपीट

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा से भिवानी जा रही हरियाणा परिवहन विभाग की बस में सवारी के परिचालक से पांच रुपये मांगने पर मारपीट करने का मामला संज्ञान में आया है। शुक्रवार को सोनू बवानीखेड़ा से भिवानी बस में रोजाना की तरह जा रहा था और परिचालक को सोनू ने टिकट के 50 रुपये दिए। परिचालक ने 25 रुपये की टिकट देकर 20 रुपये सोनू को दे दिए और पांच रुपये सोनू ने वापिस मांगे तो परिचालक तैश में आ गया और गाली गलोच कर हमला कर दिया।

शार्ट सर्किट से किसान के सिंचाई उपकरण जले

बाढ़ड़ा। गांव जेवली में ट्रांसफार्मर शार्ट सर्किट से किसान के लाखों रुपयें के कृषि व सिंचाई उपकरण जल गए। पीड़ित किसान ने एसडीएम कार्यालय में प्रार्थना पत्र देकर नुकसान की भरपाई की मांग की। जेवली के किसान सुरेश शर्मा ने बताया कि शुक्रवार दोपहर के समय उसके खेत पर बने ट्यूबवैल को बिजली आपूर्ति करन वाले ट्रांसफार्मर में आग लग गई और दो एकड़ में लगने वाली मिनी नोजल, 25 स्टील पाईप, 16 नोजल, 44 प्लास्टिक पाईप व अन्य सामान भेंट चढ़ गया है जिससे किसानों को लाखों का नुकसान हुआ है।

15 नवंबर तक होंगे पीएम पुरस्कारों के लिए आवेदन

चरखी दादरी। केंद्र सरकार की ओर से लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कारों के लिए पंजीकरण और आवेदन जमा करवाने की अंतिम तिथि 15 नवंबर निर्धारित की गई है। उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने बताया कि केंद्र सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग की ओर से वर्ष 2006 में लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार नाम से एक योजना शुरू की थी, जिसका उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों के जिलों या संगठनों द्वारा किए असाधारण और अभिनव कार्यों को स्वीकार करना, मान्यता देना व पुरस्कृत करना है।

शिविर में 135 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की

भिवानी। विश्व मानव रूहानी केन्द्र भिवानी द्वारा डॉ. सुनीता दूहन की देखरेख में जैन चौक स्थित रविदास मंदिर में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सकों की टीम ने 135 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की और उन्हें बदलते मौसम में अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर संस्था के सदस्य रोहताश कुमार, रामकिशन, उल्फत सिंह, शारदा, शकुंतला, उर्मिला, कांता, परमदीप, तन्नु ने बताया कि विश्व मानव रूहानी केन्द्र बलजीत सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

विभिन्न मांगे नहीं माने जाने पर किसानों ने बनाई रणनीति

प्रस्तावित बैठक रद्द, किसानों ने प्रदर्शन कर जताया विरोध

सीटीएम ने की किसानों के गुस्से को शांत करने की कोशिश, समय पर सूचना का आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

बवानीखेड़ा क्षेत्र के गांव बलियाली, सुमरा खेड़ा, जाटू लुहारी, धनाना, मंढाना व बडेसरा के किसानों ने सिवानी से सोनीपत जाने वाली 400 केवी बिजली टावर के बदले न्यायोचित मुआवजे की मांग को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा भिवानी के नेतृत्व में उपायुक्त कार्यालय भिवानी के सामने प्रदर्शन किया।

गौरतलब है कि उपमंडल अधिकारी नागरिक महेश कुमार ने सम्बधित प्रभावित किसानों व विद्युत निगम के अधिकारियों को मुआवजे सम्बन्धी बातचीत के लिए बुला रखा था, परन्तु अचानक दिल्ली से भारत सरकार की उच्च अधिकारी आने से प्रस्तावित बैठक प्रशासन ने रद कर दी , उसकी सूचना समय पर किसानों तक नहीं पहुंचने से सभी किसान डीआरडीए हाल में पहुंच गए। इसके बाद सीटीएम ने किसानों के गुस्से को शांत करने की कोशिश की तथा आगे समय पर सूचना देने का आश्वासन दिया।

भिवानी। नारेबाजी कर विरोध जताते किसान। फोटो : हरिभूमि

इन मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

इसके बाद लघु सचिवालय से बाहर आकर किसानों ने टावरों का न्यायोचित मुआवजा देने , जल भराव की निकासी करने , बाजरा , कपास व धान की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीद करने , बर्बाद फसलों का एक लाख रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने , क्षतिग्रस्त गृहों का मुआवजा व मनरेगा के तहत 600 रुपये प्रतिदिन दिहाड़ी पर 200 दिन का मनरेगा के तहत काम लगवाने , बीज खाद उपलब्ध करवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

खेत में टावर खड़ा नहीं करने देंगे किसान

प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए किसान सभा के जिला उपप्रधान , कामरेड ओमप्रकाश , राज्य कमेटी सदस्य रामोतार बलियाली डॉ. बलबीर ठाकन व किसान नेत्री सन्तोष देशवाल ने कहा कि किसानों के खेतों में टावर लगाने से किसान उस किले या जगह पर अपने खेत में कोई ट्यूब्वेल, मकान या फैक्ट्री नहीं लगा सकता, उसकी जमीन की कीमत आधी हो जाती है, खेत के उपर से टावर निकलने पर किसान के परिवार को खतरा बना रहता है।

तारों में आवाज व तरंगें आती, होती परेशानी

उन तारों में आवाज व तरंगें आती रहती हैं , जो खेत में काम करने वाले पर विपरित प्रभाव पड़ता है । इसलिए किसानों को बाजार दर से मुआवजा व तारों के बदले 25 वर्षों तक कम्पनी की तरफ से रायल्टी मिलनी चाहिए,जब तक न्यायोचित मुआवजे व रायल्टी पर समझौता नहीं हो जाता और भुगतान नहीं हो जाता तब तक किसान अपने खेतों में टावर नहीं खड़ा करने देंगे।

सरकार किसान मजदूरों की भारी उपेक्षा कर रही

उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा सरकार किसान मजदूरों की भारी उपेक्षा कर रही है , ये दोनों वर्ग आज हर लिहाज से दुखी हैं , परन्तु प्रशासन व सरकार उनकी समस्याओं के समाधान में कोई रुचि नहीं ले रही है ।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर वरिष्ठ एडवोकेट सोहन लाल मक्कड़, बलियाली से गौरव ठकराल, मदन कुकडेजा, विजय ठुकराल, राजेन्द्र ठुकराल,पवन पूनिया, धन सिंह पूनिया, धनाना से सत्यवान , ईश्वर, विनय, दीपक, प्रेम तथा बडेसरा से रणबीर सहित अनेक उपस्थित थे।

किसानों की काली दिवाली मनी, नहीं मिला मुआवजा

भिवानी। मुंढाल में किसानों से जलभराव को लेकर बातचीत करते पूर्व सीपीएस।

■ खेतों में जमा पानी की नहीं हुई निकासी : फौजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी ने कहा कि सरकार ने दिवाली से पहले बारिश व जलभराव से बर्बाद फसलों का मुआवजा देने की घोषणा हवाई साबित हुई। दिवाली से पहले न तो किसानों को बर्बाद फसलों का मुआवजा मिल पाया और न ही उनके खेतों में जमा बारिश के पानी की निकासी हो पाई। जिस वजह से आज भी किसानों के खेतों में दो से ढाई फुट तक बारिश का पानी जमा है। बारिश के पानी की निकासी न होने से खरीफ फसल तो पूरी तरह से खतम हो चुकी है,लेकिन अब खरीफ फसल की भी बिजाई नहीं हो पाएगी। हैरानी की बात यह है कि सीएम नायब सिंह सैनी ने दिवाली से पहले किसानों को बर्बाद फसलों का मुआवजा दिलाने का ऐलान किया था,लेकिन मुआवजा की राशि न मिलने की वजह से किसानों को मजबूरन काली दिवाली मनानी पड़ी।

कार्रवाई की गई

फौजी जनसम्पर्क अभियान के तहत गांव मुंढाल में किसानों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बारिश के पानी की निकासी न होने से पेट व त्वचा से संबंधित बीमारी की चपेट में अनेक लोग आ गए है, क्योंकि खेतों व रिहायशी कॉलोनी में जमा बारिश का पानी सड़ने लगा है व अनेक बीमारी फैलाने वाले मच्छर भी पनप गए है। ऐसे में लोगों में महामारी फैलना लाजिमी है।

रुपये का थैला छीनने के दो आरोपी काबू

भिवानी। पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार के द्वारा जिला पुलिस भिवानी को जिले में स्नैचिंग की वारदात करने वाले आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई अमल में लाए जाने के निर्देश दिए हुए हैं जो इन्हीं निर्देशों के तहत कार्रवाई करते हुए सीआईए स्टाफ-2 भिवानी की टीम ने रुपए छिनने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। करण सिंह निवासी टाइयान पाना ने थाना शहर पुलिस भिवानी को एक शिकायत दर्ज करवाई थी जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बतलाया कि आठ अगस्त दोपहर के समय बैंक से रुपए निकलवा कर अपने घर टाइयान पाना के लिए जा रहे थे जो रास्ते में मोटरसाइकिल सवार दो लड़के उनके रूपए का थैला छीन कर ले गए थे जो इस शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अभियोग थाना शहर भिवानी में दर्ज किया था।

सीएम फ्लाइंग ने डंपरों पर किया सवा दो लाख जुर्माना

■ सीएम फ्लाइंग ने तोशाम में ओवरलोड वाहनों के खिलाफ चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

बुधवार को सीएम फ्लाइंग, आरटीए विभाग व खनन विभाग ने सयुंक्त रूप से ओवरलोड वाहनों के खिलाफ अभियान चलाकर ओवरलोड़ मिले चार डंपरों का चालान किया। इन चार डंपर में से टीम ने दो के आनलाइन चालान किए और दो डंपरों को इंपाउंड कर रोडवेज वर्कशाप तोशाम में खड़ा कर दिया।

सीएम फ्लाइंग टीम ने चारों डंपरों पर कुल दो लाख 26 हजार रुपये का जुर्माना किया। जानकारी के अनुसार कई दिनों से शिकायतें मिल रही थीं कि तोशाम बाजार से पत्थरों की ओवरलोड गाडिय़ां गुजर रही हैं, जिससे सडक़ पर खतरा बढ़ रहा है। कार्रवाई के दौरान सीएम फ्लाइंग इंचार्ज एसआई राजवीर सिंह, आरटीओ विभाग से इंस्पेक्टर रामनिवास व सब इंस्पेक्टर ईश्वरसिंह व माईनिंग विभाग से निरिक्षक हितेश कुमार मौजूद रहे। जैसे ही सीएम फ्लाइंग के छापे की सूचना ड्राइवरों तक पहुंची, इलाके में हडक़ंप मच गया और कई गाडिय़ां रास्ता बदलकर वापस लौट गईं। टीम ने तोशाम जूई रोड़ पर नाकाबंदी कर दोनों गाड़ियों को रोका, जिनमें पत्थर ओवरलोड भरे थे। अभियान के दौरान लगभग एक दर्जन डंपरों को चैक किया जिसमें से चार ओवरलोड डंपर मिले। इनमें से दो ओवरलोड डंपरों के आनलाइन चालान किए व डंपरों को इंपाउंड करके रोडवेज के वर्कशाप में खड़ा किया गया। सीएम फ्लाइंग इंचार्ज राजवीर ने बताया कि ओवरलोड वाहन हादसों का कारण बनते हैं।

अज्ञात कारणों के चलते 35 वर्षीय युवक की मौत

भिवानी। गांव रतेरा में नलवा मार्ग पर खेतों में एक रतेरा निवासी 35 वर्षीय युवक का शव मिला। वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले कार्रवाई शुरू की। जानकारी अनुसार पुलिस को दिए गए ब्यान में रतेरा निवासी कुलदीप ने बताया कि उसका छोटा भाई 35 वर्षीय विनोद 22 अक्टूबर की शाम को अपने घर से खाना साथ लेकर खेतों की ओर गया था तथा वीरवार सुबह तक नहीं लौटा। जहां परिवार ने उसकी चिंता हुई तथा उसे ढूंढने के लिए निकले। वहीं दूसरी ओर किसी राहगीर ने गांव में सूचना दी कि नलवा मार्ग पर एक युवक का शव पड़ा हुआ है। जहां ग्रामीणों ने जाकर देखा तो वह रतेरा का ही विनोद पाया। मृतक के भाई कुलदीप ने बताया कि वे दो भाई हैं तथा उसका छोटा भाई विनोद अविवाहित था तथा मजदूरी का कार्य करता था। जानकारी देते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश ने बताया कि सतीश कुमार एचसी की पुलिस टीम ने मृतक के बड़े भाई कुलदीप के ब्यान पर आवश्यक कार्रवाई कर शव को वीरवार शाम भिवानी के नागरिक अस्पताल में पहुंचाया तथा मोर्चरी हाउस में रखा।

सांसद ने सीएम के सीपीएस, भिवानी व दादरी के डीसी को तत्काल कदम उठाने के दिए आदेश

■ बकाया मुआवजे को लेकर किसान प्रतिनिधमंडल ने सांसद किरण चौधरी से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढ़ड़ा

संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यसभा सांसद किरण चौधरी से मुलाकात कर उनको वर्ष 2023 के बकाया मुआवजे से लेकर डीएपी किल्लत सहित अन्य मांगों से अवगत करवाया। किसानों ने आरोप लगाया कि मुआवजा तैयार करने में प्रशासनिक अधिकारी से लेकर बीमा कंपनियां जानबूझ कर रिपोर्ट में मनमाने तरीके से बदलाव कर किसानों को चूना लगा रही हैं।

राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने सीएम के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, चरखी दादरी व भिवानी के उपायुक्तों को दूरभाष पर इन मांगों का त्वरित तरीके से समाधान करवाने का आदेश दिया। यूनियन जिलाध्यक्ष राजकुमार हड़ौदी ने बैठक के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व कैबिनेट मंत्री व राज्यसभा सदस्य किरण चौधरी से हुई बातचीत में उन्होंने उनको अवगत करवाया कि वर्ष 2023 के रबी व खरीफ सीजन के बकाया 300 करोड़ रुपये की बकाया मुआवजा राशी को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा ने लोहारु व बाढड़ा उपमंडल मु यालय पर बेमियादी धरना प्रदर्शन शुरु कर रखा है। जो 100 दिन से आगे गुजर चुका है लेकिन सरकार की तरफ से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इससे किसानों को सबसे अधिक नुकसान हुआ है और मजबूरीवश किसानों को सरकार के खिलाफ आंदोलन करना पड़ रहा है। आज रेतीले क्षेत्र में अगेती सरसों की बिजाई का दौर चल रहा है लेकिन किसानों को पिछले दो माह से डीएपी खाद व सरकारी बीज की दुकानों पर बीज तक नहीं मिल रहा है जिससे किसानों में रोष बना हुआ है। सरकार की अनदेखी से किसानों को सबसे अधिक बुरे दौर से गुजरना पड़ रहा है। वहीं बाजरे की खरीद से लेकर मौजूदा फसली नुकसान की भरपाई के लिए किसानों को दर दर भटकना पढ़ रहा है। प्रदेश में पहली बार ऐसा हो रहा है कि किसी धरने पर सरकार की तरफ किसी नुमाईंदें न पहुंचकर सुध नहीं ली है जिससे किसानों का सब्र जवाब दे रहा है। पूर्व मंत्री किरण चौधरी ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार किसानों के साथ खड़ी है। उन्होंने दक्षिणी हरियाणा के वर्ष 2023 के बकाया मुआवजे का मामला राज्यसभा में भी उठाया है और वह उनकी समस्या से पवरिचित हैं।

सरकार किसानों को दें रही झूठे आश्वासन

कस्बे के उपमंडल बिजली कार्यालय में संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा संचालित धरना 101 वें दिन भी जारी रहा। आंदोलनरत किसानों ने सरकार पर उनसे बार बार झूठा आश्वासन देने का आरोप लगाया। धरने को संबोधित करते हुए किसान नेता नरेश कादयान व राजेश भांडवा ने कहा कि मौजूदा दौर में गरीब किसान मजदूर व कमेरे वर्ग के हितों से खिलवाड़ किया जा रहा है। वर्ष 2023 सरसों व कपास बीमा क्लेम कृषि विभाग के अधिकारियों बीमा कंपनी से मिल कर चुनाव आचार संहिता के चलते जिला भिवानी व चरखी-दादरी जिलों के 450 करोड़ रुपयों के क्लेम को लगभग 100 करोड़ रुपये करके 350 करोड़ रुपयों का घोटाला किया है। इतना ही नहीं हरियाणा भर में वर्ष 2022-2023 में जहां फसल बीमा क्लेम 2497 करोड़ रुपये मिला, चुनावी वर्ष 2023-24 में यह क्लेम सिर्फ 224 करोड़ रुपये किसानों को दिया गया है जिसके विरोध में बेमियादी धरना प्रदर्शन जारी है। धरने पर श्योराण खाप अध्यक्ष बिजेंद्र बेरला, राजकुमार हड़ौदी, रघबीर श्योराण, किसान नेता नरेश कादयान, होशियार सिंह गोपी, सत्य प्रकाश जेवली, ब्रह्मपाल, रणधीर, हवा सिंह, प्रताप सिंह, रमेश भांमू, प्राचार्य हवा सिंह जयवीर नांधा, सतबीर सिंह आदि मौजूद रहे।

सीसीटीवी में कैद हुई वारदात, पीड़ित ने पुलिस में दी शिकायत

दुकान में पेट्रोल छिड़ककर युवक ने लगाई आग

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोहारू

गुरूवार देर शाम को एक युवक ने शहर के सब्जीमडी गली में पोस्ट आफिस के पास एक सब्जी की दुकान में पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। यह वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वहां से गुजर रहे दो युवकों ने शोर मचाया और आस पास के लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। घटना की सूचना मिलने पर लोहारू पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई। इस मामले में पीड़ित दुकानदार राजबीर ने पुलिस थाने में शिकायत देकर मोहल्ले के ही एक युवक पर आगजनी की घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

■ लोगों ने की मामले में पीड़ित के लिए इंसाफ की मांग की

लोहारू। पोस्ट आफिस के पास सब्जी की दुकान में लगी आग बुझाते लोग। फोटो : हरिभूमि

बता दें के बीती देर सांय करीब 10 बजे एक युवक ने पोस्ट आफिस के साथ लगती सब्जी की दुकान में पेट्रोल छिड़क कर कथित रूप से उसे आग के हवाले कर दिया। वहां से गुजर रहे दो युवकों ने आग को देखकर शोर मचाया और आस पड़ोस के लोगों ने मौके पर पहुंचकर पानी डालकर आग पर काबू पाया। आग के कारण दुकान में रखा सामान, करेट आदि जलकर राख हो गए। गनीमत यह रही कि पास में कपड़े की दुकान भी थी। जब तक आग कपड़े की दुकान तक फैलती लोगों ने आग पर पहले ही काबू पा लिया। घटना की सूचना पर लोहारू पुलिस और दुकान का मालिक राजबीर भी मौके पर पहुंच गया। बताया जाता है कि दुकान मालिक राजबीर का दो दिन पहले ही पड़ोस के एक परिवार से कहासुनी हो गई थी और एक युवक ने धमकी भी दी थी। मौके पर लगे सीसी टीवी कैमरे में एक युवक तेल छिड़क कर आग लगाते हुए दिखाई दे रहा है। पीड़ित दुकानदार राजबीर ने मामले में कार्रवाई के लिए पुलिस में शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पार्षद संतलाल सहित अनेक लोगों ने मामले में पीड़ित के लिए इंसाफ की मांग की।

खाद पदार्थों के सैंपल केसों में आठ लाख 52 हजार का जुर्माना

भिवानी। एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने लघु सचिवालय स्थित कार्यालय में खाद्य पदार्थों के मिस ब्रांडेड, सब स्टैंडर्ड, लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन से संबंधित केसों की सुनवाई की। उन्होंने विभिन्न केसों में सुनवाई कर लगभग 8 लाख 52 हजार का जुर्माना लगाया। एडीसी ने बताया कि शंकर दास कोंट रोड भिवानी निवासी प्रोडक्ट्स के अवमानक देसी घी के केसों में, विवेक गोयल नई अनाज मंडी बहल निवासी के अवमानक ट्री वेदा दलिया के केस में कुल मिलाकर लगभग एक लाख 60 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं अन्य खाद्य पदार्थों में व अन्य लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन न करवाने पर कुल 6 लाख 92 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। एडीसी ने संबंधित विक्रेताओं को भविष्य में रजिस्ट्रेशन व लाइसेंस समय अनुसार नवीनीकरण करवाने की चेतावनी दी।

WOMEN COLLEGE OF EDUCATION
JHOJHU KALAN, (CHARKHI DADRI)
Approved by N.C.T.E & Affiliated to C.B.L.U, Bhiwani & B.S.E.H Bhiwani.
Email: wcoejk@gmail.com, Website: www.wcoejk.org.in

Application are invited for the post of Principal, Teaching and Non-Teaching Staff on regular basis :-

B.Ed. Course: Academic Faculty

Principal 1. Assistant Professor in Perspective in Education 3. Assistant Professor (Pedagogy Subjects) 9 (Hindi, English, Sanskrit, Social Science, Computer Science, Physical Science, Mathematics, Commerce, Biological Science) and Assistant Professor of Health & Physical Edication-1, Fine Arts- 1, Performing Arts/Dance/Theatre)-1.

Adm. & Prof. Supprot Staff

Library Assistant -1, Lab Assistant- 2, Gardner - 2, & Peon - 2

Salary and Quallfication as per UGC/NCTE/University/State Govt Norms

Application along with two colour photographs and attested photocopies of al testimonials should reach within 21 days of the publication in the office of college and same copy of application should be submitted in the office of Dean Colleges, C.B.L.U Bhiwani through Regd Post or by hand against proper receipt.

Note : The candidate who have earlier applied their application against the post published on 03 Sep 2025 in The Haribhoomi (Hindi) and The Pioneer (English) News Paper is not needed to again submit application for the so advertised posts.

Phone No - President: 9812940348, Coordinator : 9728542968

मगरमच्छ अपनी जीभ बाहर नहीं निकाल सकते।

चमगादड़ एकमात्र स्तनधारी हैं जो उड़ सकते हैं।

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

प्रयोगशाला शिक्षक बन चमकाएं अपना करियर

कौन होता है प्रयोगशाला शिक्षक

प्रयोगशाला टीचर उच्च कक्षाओं में जो प्रयोगशाला होती है। उन प्रयोगशालाओं में अध्यापक के तौर पर प्रैक्टिकल करवाने वाले उम्मीदवार को कहा जाता है। प्रयोगशाला टीचर उच्च कक्षाओं यानी कि 10वीं 11वीं और 12वीं कक्षाओं में जो विज्ञान वर्ग के विषयों में प्रैक्टिकल करवाने का काम करते हैं, उनको कहा जाता है। प्रयोगशाला अध्यापक लैब में विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल करके हर चीज सिद्धांत के साथ समझाते हैं। विज्ञान विषय में प्रैक्टिकल काफी महत्वपूर्ण होता है। विज्ञान की थ्योरी पढ़ने के साथ-साथ प्रैक्टिकल के माध्यम से उस रिएक्शन और गतिविधि के बारे में संपूर्ण जानकारी विद्यार्थी लेते हैं और यह जानकारी देने का काम लैब टीचर करता है।

जरूरी योग्यताएं

जो विद्यार्थी प्रयोगशाला टीचर बनने का सपना देख रहे हैं। और प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए मेहनत कर रहे हैं। उन विद्यार्थियों को सबसे पहले लैब टीचर बनने के लिए जरूरी योग्यता को पूरा करना होगा योग्यता को पूरा करके ही आप प्रयोगशाला टीचर की भर्ती में आवेदन लगा सकते हैं और टीचर बनने के सपने को पूरा कर सकते हैं। प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए जरूरी योग्यता नीचे कुछ इस प्रकार से दी गई है:

- उम्मीदवार 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग के साथ पास किया हुआ होना अनिवार्य है।
- उम्मीदवार को उच्च शिक्षा के तौर पर आगे ग्रेजुएशन और मास्टर ग्रेजुएशन करना जरूरी है।
- बीएड की डिग्री हासिल करें।

करने होते हैं ये कार्य

प्रयोगशाला टीचर के कार्य कि यदि बात की जाए तो प्रयोगशाला टीचर शब्द से ही यह अंदाजा लगाया जा सकता है, कि ऐसा अध्यापक जो प्रयोगशाला में होने वाली गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने में अपनी मदद करता है। प्रयोगशाला में विद्यार्थियों को नए नए प्रयोग सिखाने और उनके बारे में जानकारी देने में प्रयोगशाला टीचर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यार्थियों को विज्ञान की कई प्रकार की रियक्शन और गतिविधियों से अवगत करवाता है। प्रयोगशाला टीचर विद्यार्थियों को प्रयोग सिखाता है और लैब की परीक्षाओं में एग्जाम करवाने का काम भी करता है।

कैसे बनें

प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए विद्यार्थियों को सबसे पहले 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग के साथ पास करनी होगी। विज्ञान वर्ग के साथ जो विद्यार्थी 12वीं कक्षा पास कर लेता है। उसको नीचे दिए गए निम्नलिखित चरणों को फॉलो करते हुए आगे बढ़ना होगा।

ग्रेजुएशन पूरा करें : 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग में पूरा कर चुके विद्यार्थी किसी भी सब्जेक्ट के साथ ग्रेजुएशन कर सकता है। ग्रेजुएशन विज्ञान वर्ग से संबंधित होना अनिवार्य है। ग्रेजुएशन की डिग्री न्यूनतम 50% अंक के साथ पास करना काफी महत्वपूर्ण रहता है।

बीएड की डिग्री हासिल करें : 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग में पूरा कर चुके विद्यार्थी किसी भी सब्जेक्ट के साथ ग्रेजुएशन कर सकता है।

मास्टर डिग्री यानी की पोस्ट ग्रेजुएशन पूरा करें : ग्रेजुएशन और बीएड की डिग्री लेने के पश्चात उम्मीदवार को पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री लेनी होती है। पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री लेने पर विद्यार्थी किसी भी एक विषय में मास्टर डिग्री हासिल कर लेता है और उस विषय से संबंधित प्रयोगशाला शिक्षक बनने के लिए योग्य भी हो जाता है। मास्टर डिग्री लेने वाले उम्मीदवार को अब आने वाली प्रयोग शाला शिक्षक भर्ती में आवेदन करने के लिए योग्यता मिल जाती है।

प्रयोगशाला टीचर भर्ती में आवेदन करें : लैब टीचर बनने के लिए उम्मीदवार को सरकार के द्वारा नियमित तौर पर निकाले जाने वाली प्रयोगशाला टीचर भर्ती में अपना आवेदन लगाना होगा। हालांकि जो विद्यार्थी प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर बनना चाहता है। उस विद्यार्थी के लिए किसी भी भर्ती में आवेदन लगाने की जरूरत नहीं है। विद्यार्थी डिग्री कंप्लीट करने के बाद सीधा किसी भी प्राइवेट विद्यालय में ज्वाइन होकर प्रयोगशाला टीचर पद पर कार्यरत हो सकता है। लेकिन सरकारी प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए विद्यार्थी को प्रयोगशाला टीचर भर्ती में अपना आवेदन लगाना होगा। जब विद्यार्थी प्रयोगशाला टीचर भर्ती में आवेदन लगाता है। तो विद्यार्थी को प्रयोगशाला टीचर की सेलेक्शन प्रक्रिया से गुजरते हुए इस पद को हासिल करना होता है।

कितनी होती है सैलरी : प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर को 15,000 से 25,000 तक की सैलरी मिल जाती है। प्राइवेट विद्यालय में यह सैलरी कोई फिक्स नहीं है। उच्च स्तरीय प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर की सैलरी 50,000 तक भी हो सकते हैं। सरकारी प्रयोगशाला टीचर बनने के बाद उम्मीदवार की सैलरी की बात की जाए तो उम्मीदवार को शुरुआत में 40,000 तक की सैलरी मिलती है और 2 साल की अवधि पूरी होने के बाद उम्मीदवार को पहला प्रमोशन मिलता है। उसके बाद उम्मीदवार को 50,000 से 70,000 की सैलरी और ग्रेड पे के साथ-साथ अन्य कई प्रकार के सरकारी भत्ते की सुविधाएं भी मिलती है।

कैंसर उपचार की रीढ़ है रेडियोथेरेपी, मरीजों की आशा की किरण

जन सेवा के साथ करियर का बेहतरीन विकल्प 'रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट'

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

बीएससी इन रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी (B.Sc in Radiotherapy Technology) जन सेवा के साथ युवाओं को करियर का बेहतरीन विकल्प उपलब्ध करवा रही है। यह तकनीक जहां कैंसर के मरीजों में आशा की किरण है, वहीं मेडिकल क्षेत्र में आगे बढ़ने वाले युवाओं को कामयाब होने के रास्ते दिखा रही है। इस क्षेत्र में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए यह एक बेहतरीन कोर्स हो सकता है जो उनकी नौकरी की उम्मीदों को पंख दे सकता है। इसलिए युवा यह कोर्स कर अपने करियर को आसमान की बुलंदियों पर ले जा सकते हैं। आज के समय में दुनियाभर में बढ़ते कैंसर मामलों ने रेडिएशन थेरेपी की मांग को तेजी से बढ़ाया है। कैंसर के उपचार में रेडियोथेरेपी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और इसे सफलतापूर्वक देने वाले एक्सपर्ट रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में बीएससी इन रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी कोर्स युवाओं के लिए मेडिकल क्षेत्र में एक उत्कृष्ट करियर विकल्प बन चुका है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में जहां एक ओर डॉक्टर और ऑन्कोलॉजिस्ट का योगदान अहम होता है। वहीं, रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट पर्दे के पीछे से तकनीकी रूप से उपचार को सटीक और प्रभावी बनाते हैं। इनका कार्य रोगी के जीवन से सीधा जुड़ा होता है, इसलिए यह क्षेत्र न केवल वैज्ञानिक ज्ञान बल्कि मानवीय संवेदनाओं से भी परिपूर्ण है।

क्या है रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी

रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में उपयोग की जाने वाली रेडिएशन मशीनों को ऑपरेट करते हैं। ये प्रोफेशनल्स डॉक्टरों के निर्देश पर रोगी को सटीक मात्रा में विकिरण देते हैं, जिससे ट्यूमर को नष्ट किया जा सके और स्वस्थ ऊतकों को नुकसान न पहुंचे। आज के समय में रेडिएशन तकनीक अत्याधुनिक हो चुकी है जैसे रैखिक त्वरक (एलआईएनएसी), ब्रैकीथेरेपी, साइबरनाइफ और गामा नाइफ जैसी मशीनें, जिनके संचालन के लिए विशेष प्रशिक्षण आवश्यक होता है। रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट की भूमिका केवल मशीन चलाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वे रोगी की सुरक्षा, मशीन की मेंटेनेंस और रेडिएशन डोज की सटीक गणना जैसे अत्यंत संवेदनशील कार्यों में भी शामिल होते हैं।

बढ़ते कैंसर मरीजों के कारण बढ़ी डिमांड

कोर्स की ये हैं जरूरी योग्यताएं

इस कोर्स में प्रवेश के लिए छात्र को 12वीं (फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी/मैथ्स) न्यूनतम 50/55% अंकों के साथ पास होना चाहिए। सरकारी संस्थानों में केवल प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही दाखिला होता है। इसके लिए आप पहले कोचिंग भी ले सकते हैं। कई निजी संस्थान भी यह कोर्स संचालित कर रहे हैं, लेकिन छात्रों को संस्थान चुनते समय उसकी मान्यता और क्लिनिकल ट्रेनिंग सुविधा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसके बाद ही संस्थान का चुनाव करें। चूंकि यह कोर्स तकनीकी और मरीजों के सीधे संपर्क से जुड़ा है, इसलिए व्यवहारिक ज्ञान इसकी सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस पर ध्यान रखना जरूरी है।

साढ़े 4 वर्ष का डिग्री कोर्स

बीएससी इन रेडियोथेरेपी एक साढ़े 4 वर्ष का डिग्री कोर्स है, जिसमें क्लासरूम टीचिंग, लैब ट्रेनिंग और हॉस्पिटल इंटर्नशिप शामिल होती है। अंतिम वर्ष में विद्यार्थियों को रेडिएशन विभाग में हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे वे वास्तविक मरीजों के साथ काम करने का अनुभव प्राप्त कर सकें। कुछ संस्थानों में छात्रों को प्रोजेक्ट कार्य, केस स्टडीज और वर्कशॉप्स के माध्यम से रिसर्च का भी अवसर मिलता है। इस दौरान उन्हें न केवल तकनीकी स्किल, बल्कि रोगियों के प्रति सहानुभूति और मानसिक मजबूती जैसे गुण भी विकसित करने पर बल दिया जाता है।

काम करके मिलता सुकून

रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें न केवल करियर की स्थिरता और उन्नति है, बल्कि कैंसर पीड़ितों की जिंदगी को बचाने का सुकून भी शामिल है। यह विज्ञान और मानवीय सेवा का सुंदर संगम है। यदि आप मेडिकल क्षेत्र में टेक्निकल एक्सपर्ट बनने के साथ समाज सेवा का जज्बा भी रखते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए उपयुक्त विकल्प हो सकता है। आने वाले वर्षों में जैसे-जैसे भारत में कैंसर उपचार सुविधाएँ बढ़ेंगी, वैसे-वैसे रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जाएगी।

कैंसर के उपचार में रेडियोथेरेपी की भूमिका सबसे कारगर, B.Sc in Radiotherapy Technology कोर्स युवाओं को दे रहा करियर बनाने का शानदार मौका

कोर्स करने के लिए प्रमुख संस्थान

1. पी.जी.आई.एम.एस. रोहतक (पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, रोहतक)
2. पी.जी.आई. चंडीगढ़ (पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़)
3. एस.एम.एस. जयपुर (सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर)
4. बी.एच.यू. वाराणसी (बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी)
5. जिपमर पुडुचेरी (जवाहरलाल इंस्टिट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पुडुचेरी)
6. एम्स दिल्ली (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली)
7. सी.एम.सी. वेल्लोर (क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर)

(नोट : इन संस्थानों से डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र देश-विदेश में उच्च पदों पर कार्यरत हैं और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में भारत की पहचान बना रहे हैं।)

यह मिल सकता है वेतन

शुरुआत में रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट का वेतन 30,000 रुपये से 45,000 रुपये प्रतिमाह तक हो सकता है। अनुभव के साथ और सरकारी अस्पतालों या प्रतिष्ठित संस्थानों में यह वेतन 60,000 रुपये से 80,000 रुपये प्रति माह तक भी पहुंच सकता है। विदेशों में यह प्रोफेशन और भी अधिक सम्मानजनक और उच्च वेतन वाला माना जाता है। साथ ही, जैसे-जैसे नई तकनीकें आ रही हैं जैसे आईएमआरटी-तीव्रता मॉड्यूलेटेड रेडिएशन थेरेपी, आईजीआरटी-इमेज गाइडेड रेडिएशन थेरेपी, एसआरएस/एसआरटी-स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी/स्टीरियोटैक्टिक रेडियोथेरेपी, एसबीआरटी-स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडिएशन थेरेपी आदि इस क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वालों की मांग और बढ़ रही है। निजी स्वास्थ्य संस्थान अब योग्य रेडिएशन टेक्नोलॉजिस्ट को आकर्षक वेतन पैकेज दे रहे हैं।

यहां नौकरी के अवसर

रेडियोथेरेपी कोर्स के बाद छात्र निम्न संस्थानों में नौकरी कर सकते हैं।

- कैंसर स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स
- मेडिकल कॉलेज व रिसर्च सेंटर
- प्राइवेट डायग्नोस्टिक और रेडिएशन यूनिट्स
- सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रमों के तहत
- अंतरराष्ट्रीय हेल्थकेयर संगठनों में
- इसके अतिरिक्त, अनुभवी टेक्नोलॉजिस्ट रिसर्च, हेल्थ एजुकेशन, मेडिकल इक्विपमेंट कंपनियों या हेल्थ मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में भी अपना करियर बना सकते हैं।

हर नया दिन आपको सपनों को हकीकत में बदलने, बाधाओं को पार करने का देता मौका

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

छात्र जीवन एक ऐसी यात्रा है जो चुनौतियों, अवसरों और भविष्य को आकार देने वाले पलों से भरी होती है। हर नया दिन आपके सपनों को हकीकत में बदलने, बाधाओं को पार करने और सफलता की ओर बढ़ने का एक मौका देता है। यह पल आपके लिए है अपनी ऊर्जा को संजोने, अपने मन को एकाग्र करने और अपनी रचनात्मकता को प्रज्वलित करने का समय। यह व्याकुलता का नहीं, बल्कि दृढ़ निश्चय का समय है वर्तमान को थामने और उज्जवल भविष्य को गढ़ने का अवसर। छात्रों को अक्सर पढ़ाई, व्यक्तिगत विकास और तेजी से बदलती दुनिया की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने का भारी दबाव झेलना पड़ता है। हतोत्साहित होना या अपने लक्ष्यों से भटक जाना स्वाभाविक लग सकता है। लेकिन हर सुबह, हर बीतता क्षण, आपके सपनों के प्रति फिर से समर्पित होने का आह्वान है।

सोचे-समझे कदमों से करें शुरुआत

दिन के ये शुरुआती पल रचनात्मकता और मेहनत के लिए एक खुला कैनवास हैं। सोशल मीडिया, आत्म-संदेह या आलस्य जैसे व्याकुलताओं के आगे झुकने के बजाय, इस समय को अपनी प्रेरणा को बढ़ाने और अपनी ऊर्जा को सार्थक कार्यों में लगाने के लिए उपयोग करें। जैसा कि एक प्रेरक हिंदी कथन कहता है कि सुबह का यह पल तुम्हारा है। मेहनत और सपनों के साथ आगे बढ़ो, क्योंकि हर कदम तुम्हें तुम्हारे लक्ष्य के करीब ले जाता है। यह उद्धरण इस पल को थामने के सार को दर्शाता है। सुबह का यह समय, जब दुनिया संभावनाओं से भरी जाग रही होती है, आपके लिए एक नई शुरुआत है। आपकी मेहनत, आपके प्रिय सपनों के साथ मिलकर, आपको आगे बढ़ा सकती है। चाहे आप परीक्षा की तैयारी कर रहे हों, किसी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हों, या अपनी रुचियों को खोज रहे हों, यह वह समय है जब आपको पूरे उद्देश्य के साथ कार्य करना है। रचनात्मकता एक छात्र के रूप में आपकी सबसे बड़ी ताकत है। यह केवल किताबी ज्ञान या तथ्यों को रटने तक सीमित नहीं है; यह नए दृष्टिकोण अपनाने, अनोखे समाधान खोजने और चुनौतियों को रचनात्मक ढंग से हल करने के बारे में है। लेकिन व्याकुलताएं रचनात्मकता की सबसे बड़ी दुश्मन हैं। वे आपका ध्यान भटकाती हैं और उस ऊर्जा को कमजोर करती हैं जिसे आप सीखने और विकास में निवेश कर सकते हैं। अपने लक्ष्यों को क्षणिक प्रलोभनों से ऊपर रखकर, आप अपने भविष्य को आकार देने की शक्ति को फिर से हासिल करते हैं। इस पल का अधिकतम लाभ उठाने के लिए, छोटे-छोटे, सोचे-समझे कदमों से शुरुआत करें। दिन के लिए स्पष्ट और प्राप्य लक्ष्य बनाएं, अपने कार्यों को छोटे हिस्सों में बांटें और अपनी हर छोटी उपलब्धि का उत्सव मनाएं।

हर सफल व्यक्ति एक छात्र

अपने चारों ओर सकारात्मकता लाएं -चाहे वह प्रेरक दोस्त हों, मार्गदर्शक शिक्षक हों, या एक शांत स्थान जो आपके विचारों को उड़ान दे। याद रखें, हर सफल व्यक्ति कभी एक छात्र था, जिसने हार नहीं मानी, जिसने सुविधा के बजाय संघर्ष को चुना, और जिसने हर चुनौती को एक अवसर के रूप में देखा। सुबह का यह समय आपके सपनों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता का प्रतीक बने। दुनिया आपके अनोखे योगदान, आपके विचारों और आपकी दृढ़ता की प्रतीक्षा कर रही है। इस पल को अपनाएं, अपनी रचनात्मकता को प्रज्वलित करें और अपने लक्ष्यों की ओर साहसपूर्वक कदम बढ़ाएं। एक छात्र के रूप में आपकी यात्रा केवल मंजिल तक पहुंचने की नहीं है यह उस रास्ते में अपने सर्वश्रेष्ठ स्वरूप को खोजने की है। तो, उठें, कर्म करें और हर क्षण को अमूल्य बनाएं।

खुद पर भरोसा करो, क्योंकि तुम्हारी ताकत तुम्हारे भीतर छिपी है

आत्मविश्वास सफलता की नींव है। यह उद्धरण छात्रों को अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानने और उसका उपयोग करने के लिए प्रेरित करता है। जब आप खुद पर विश्वास करते हैं, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं लगता। छात्र जीवन एक ऐसी अवस्था है जहां हर दिन एक नया सबक लाता है। इन प्रेरणादायक उद्धरणों को अपने साथी बनाएँ और हर चुनौती को एक अवसर के रूप में देखें। जैसा कि पहले उद्धरण में कहा गया, "सुबह का यह पल तुम्हारा है। मेहनत और सपनों के साथ आगे बढ़ो, क्योंकि हर कदम तुम्हें तुम्हारे लक्ष्य के करीब ले जाता है।" इस पल को थामें, अपने भीतर की रचनात्मकता और जुनून को जगाएं, और अपने सपनों की ओर बढ़ते रहें। आपमें वह शक्ति है जो आपको दुनिया की ऊंचाइयों तक ले जा सकती है बस उस पर विश्वास करें और कदम बढ़ाएं।

सामान्य ज्ञान

1. यंग प्रत्यास्थायता गुणांक का एसआई मात्रक है
(ए) डाइन/सेमी.
(बी) न्यूटन/मी.
(सी) न्यूटन/मी.^{2}
(डी) मी.^{2}/से.

2. निम्नलिखित युग्मों में से किन भौतिक राशियों के सामान विमीय सूत्र नहीं है ?
(ए) बल एवं दाब
(बी) कार्य एवं उर्जा
(सी) आवेग एवं संवेग
(डी) भार एवं बल

3. एक खगोलीय इकाई संबंधित है -
(ए) सूर्य एवं पृथ्वी के बीच की दूरी से
(बी) चन्द्रमा एवं पृथ्वी के बीच की दूरी से
(सी) सूर्य, चन्द्रमा के बीच की दूरी से
(डी) उपरोक्त में से कोई नही

4. निम्नलिखित में से कौन-सी अविमीय राशि है ?
(ए) विकृति
(बी) श्यानता गुणांक
(सी) गैस नियतांक
(डी) प्लांक नियतांक

5. निम्नलिखित में से कौन एक सदिश राशी नही है
(ए) संवेग
(बी) वेग
(सी) कोणीय वेग
(डी) द्रव्यमान

6. अदिश राशी है
(ए) उर्जा
(बी) बल आघूर्ण
(सी) संवेग
(डी) उपरोक्त सभी

7. निम्नलिखित में से कौन सी एक सदिश राशी है
(ए) संवेग
(बी) दाब
(सी) उर्जा
(डी) कार्य

8. निम्नलिखित में से कौन सी राशी सदिश नही है
(ए) विस्थापन
(बी) वेग
(सी) बल
(डी) आयतन

उत्तर 1.(सी) 2.(ए) 3.(ए) 4.(ए) 5.(डी) 6.(ए) 7.(ए) 8.(डी)

खबर संक्षेप

रन फॉर यूनिटी में शामिल हों नागरिक

चरखी दादरी। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर आगामी शुक्रवार 31 अक्टूबर को जिला मुख्यालय पर रन फॉर यूनिटी इवेंट का आयोजन किया जाएगा। आमजन की सक्रिय भागीदारी के साथ यह दौड़ देश की एकता व अखंडता को समर्पित होगी जिसमें हर वर्ग की उल्लेखनीय भागीदारी रहेगी। उपायुक्त डॉ मुनीश नागपाल ने जिला के नागरिकों को रन फॉर यूनिटी में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 31 अक्टूबर को होने वाले इस इवेंट में जिला वासियों की प्रभावी जन भागीदारी रहेगी। रन फॉर यूनिटी से लोग एक साथ देश की एकता व अखंडता का संकल्प लेते हुए दौड़ेंगे।

पेंशनर्ज को जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाना जरूरी

भिवानी। हरियाणा सरकार की हिदायत अनुसार जिले के खजाना व उप खजाना कार्यालयों से पेंशन प्राप्त कर रहे सभी पेंशन धारकों को तीन नवंबर से संबंधित खजाना कार्यालय व उप खजाना कार्यालय में जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाना अनिवार्य है, ताकि नवंबर की पेंशन समय पर वितरित की जा सके। जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाने के लिए हिंदी शब्दों की वर्णमाला के अनुरूप शेड्यूल बनाया गया है। ये जानकारी देते हुए जिला खजाना अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि ए से ई अक्षर के नाम वाले पेंशन धारक 3 से 10 नवंबर तक, एफ से जे नाम वाले पेंशन धारक 11 से 15 नवंबर तक, के से ओ नाम वाले पेंशन धारक 16 से 20 नवंबर तक और पी से जेड नाम वाले पेंशन धारक 21 से 25 नवंबर तक अपने जीवन प्रमाण पत्र जमा करवा सकते हैं।

अरावली स्कूल के बच्चों ने जीते गोल्ड मेडल

महेंद्रगढ़। अरावली स्कूल के दो विद्यार्थियो ने नोर्थ इंडिया कराटे चैंपियनशिप 2025 अंडर 14 में चिराग व अंडर 10 वंश ने गोल्ड मेडल हासिल किया है। यह जानकारी देते हुए स्कूल के सीईओ महेश कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता हरिद्धार में आयोजित हुई थी। उन्होंने कहा कि एक बार फिर से अरावली स्कूल ने अपना लोहा मनवाते हुए कराटे प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल किए है। स्कूल प्रांगण में पहुचने पर बच्चों का जोरदार स्वागत किया गया। संस्था के चेयरमैन अशोक कुमार ने बच्चों को स्मृति चिह्न देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अमरपुर जोरासी स्टेशन पर मिल अज्ञात शव

नारनौल। अमरपुर जोरासी रेलवे स्टेशन के समीप जीआरपी ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। उसकी आयु लगभग 70–72 साल है। शरीर से काफी दुबला–पतला है तथा उसके पटरियों पर दोनों पैर कटे हुए मिले हैं। प्रातः करीब 11 बजे सूचना पर जीआरपी की टीम घटनास्थल पर पहुंची तथा आवश्यक कार्रवाई शुरू की। अभी शिनाख्त नहीं हो सकी है। जीआरपी की एलएचसी अनीता ने बताया कि सुबह 11 बजे एक शव अमरपुर जोरासी किलोमीटर नंबरः 1278/16-18 के बीच मिली है। यह डैडबॉडी रेलवे स्टेशन न्यू अटेली-न्यू डाबला के बीच डीएफसी की लाइनों पर मिली है। शव को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखी गई है ।

कनीना महेंद्रगढ़ स्टेट हाईवे बने फॉर लाइन

कनीना। स्टेट हाईवे 24 कनीना महेंद्रगढ़ पर वाहनों का लगातार दबाव बढ़ रहा है, जिसका मुख्य कारण लोगों का ग्रीन कॉरिडोर 152 डी पर गांव बुचावास के समय बने कट पर जाने को लेकर वाहनों की तादाद बढ़ रही है। स्थानीय निवासी दिनेश, राजकुमार, कृष्ण सिंह, राजपाल, सुधीर, बलवंत आदि ने बताया कि ग्रीन कॉरिडोर 152 डी के निर्माण के बाद स्टेट हाईवे नंबर 24 पर कनीना महेंद्रगढ़ के बीच वाहनों की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ है, जिसको लेकर यह मार्गदर्शन किरण लगता है और वाहन चालकों को ओवरटेक करने में बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस समय खेतों में फसल कटाई के बाद किसान कड़बि कपास आदि लेकर अपने घरों में आते हैं, जो ओवरलोड की तरह होते हैं और ट्रैक्टर या खच्चर रेडी धीरे चलते हैं जिसके कारण रोड पर जाम की स्थिति बनी रहती है।

पराली जलाना पर्यावरण एवं भूमि दोनों के लिए नुकसानदायक : डीसी

लघु सचिवालय से हरी झंडी दिखा जागरूकता मार्च को किया रवाना

पराली न जलाकर जीरो बर्निंग श्रेणी में जाने वाले गांवों में विकास कार्यों को दी जाएगी विशेष प्राथमिकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

डीसी साहिल गुप्ता ने कहा कि पराली जलाना न केवल पर्यावरण के लिए बल्कि खेत के लिए भी भारी नुकसानदायक है। किसान किसी भी कीमत पर पराली ना जलाएं। पराली न जलाकर जीरो बर्निंग श्रेणी में जाने वाले गांवों में विकास कार्यों को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ ही किसान को पराली प्रबंधन को लेकर प्रोत्साहन दिया जाएगा। डीसी शुक्रवार को लघु सचिवालय परिसर से पराली नहीं जलाने को लेकर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के तत्वावधान में जागरूकता फ्लैग मार्च को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के दौरान अपना संदेश दे रहे थे। इस दौरान भिवानी उपमंडल के नोडल अधिकारी एसडीएम महेश कुमार भी मौजूद रहे।

भिवानी। जागरूकता फ्लैग मार्च को रवाना करते डीसी साहित गुप्ता व अन्य। फोटो : हरिभूमि

टीमों का किया गया है गठन

डीसी ने कहा कि पराली जलाने की निगरानी की जा रही है, जिसके लिए गांव, खंड, उपमंडल और जिला स्तर पर टीमों का गठन किया गया है। जागरूकता टीमों द्वारा नागरिकों को पराली नहीं जलाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पराली जलाते ही हरसक से सेटेलाइट के माध्यम से लोकेशन आएगी और लोकेशन आते ही प्रशासन द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से पराली नहीं जलाने की अपील की है। वहीं दूसरी ओर इस मौके पर मौजूद कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. विनोद कुमार फौगाट ने बताया कि भिवानी जिला में 70 हजार एकड़ से अधिक धान की बिजाई की गई है। हर गांव में किसानों को जागरूक करने के लिए निगरानी कमेटी व नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। पराली जलाने पर पांच हजार से तीस हजार का जुर्माना लगाया जाता है। इसके साथ ही उसको ब्लैक लिस्ट करने का प्रावधान है, जिससे पराली जलाने वाला सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं ले सकता है।

इन गांवों में निकाला गया मार्च

डॉ. फौगाट ने बताया कि शुक्रवार को भिवानी उपमंडल के गांव बामला, खरक, कलिंगा, सैय, चांग, बडेसरा, मिताथल, घुसकानी, तिगड़ाना, धनाना, जताई, सुखपुरा, मुंढाल, तालु, पुर, सिवाड़ा, कुंगड़, सिवाना, बड़सी, मिलकपुर, पपोसा, जमालपुर, बवानी खेड़ा, बलियाली व सुई में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान गांवों में निगरानी के लिए गठित कमेटी नोडल अधिकारी व सदस्यों ने ग्रामीणों को धान की पराली नहीं जलाने के लिए जागरूक किया। वहीं दूसरी फ्लैग मार्च के दौरान ने नायब तहसीलदार गौरव कुमार, बीडीपीओ सोमबीर कादयान, एसडीओ संजय मक्कड़, एसडीओ प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड संसार मलिक, क्यूसीआई डॉ. सुरेंद्र सिंह, सहायक कृषि अभियंता डॉ. नसीब धनखड़, डॉ. संजय मेचू, डॉ. वीरेंद्र भाकर, डॉ. सुरेंद्र सिंह, जिला परिषद, राजस्व विभाग, प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड और संबंधित क्षेत्र के पुलिस अधिकारी भी साथ रहे।

दलबीर को सौंपी दादरी ब्लॉक प्रधान की जिम्मेदारी

■ कर्मियों के अधिकारों का हनन होना अब आम बात : सांगवान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

एसकेएस कार्यालय परिसर में ब्लॉक चरखी दादरी के त्रिवार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसके साथ ही आगामी तीन सालों के लिए कार्यकारिणी पदाधिकारियों को भी सर्वसम्मति से चुना। बैठक में बतौर चुनावी पर्यवेक्षक एसकेएस जिला प्रधान यशपाल सांगवान ने सहभागिता की। उनकी देखरेख में चुनाव संपन्न करवाए गए। जिला सचिव रामपाल रामबास द्वारा चुनावी सहित अन्य गतिविधियों को संचालित करवाया गया। इस दौरान दादरी ब्लाक प्रधान के तौर पर दलबीर डोहकी को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके साथ ही कार्यकारिणी में सचिव मास्टर जगबीर, कोषाध्यक्ष महावीर, उपप्रधान पवन कुमार को मनोनित किया गया। अन्य पदों के लिए प्रधान द्वारा जल्द ही घोषणा कर दी जाएगी। पब्लिक हैल्थ जिला प्रधान सतबीर सरोहा ने समस्त नव नियुक्ति पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई गई। जिला प्रधान यशपाल सांगवान व सचिव मास्टर रामपाल रामबास, अध्यापक संघ जिल प्रधान संजय शास्त्री, जिला सचिव कृष्ण शास्त्री ने कहा कि सरकार द्वारा लगातार मनमाना रवैया लगातार अपनाया जा रहा है, जिसके चलते कर्मियों के अधिकारों का हनन होना अब आम बात बन चली है, अगर हमें इस तानाशाही को रोकना है तो एकजुटता के साथ जवाब देना अत्यंत आवश्यक है।

रक्तदान कर बचाई दो महिलाओं की जान

भिवानी। उपचार की सुविधा होने के बाद भी कई बार लोगों के जीवन की डोर सिर्फ इसलिए टूट जाती है कि उन्हें समय पर रक्त नहीं मिलता। रक्तदान से किसी व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। आज भी लोग गलत धारणाओं के कारण रक्तदान करने में हिचकते हैं, जबकि रक्तदान करने से रक्तदाता को कई गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। यह जानकारी देते हुए शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने बताया की शुक्रवार को दो निजी अस्पतालों में अलग-अलग ब्लड ग्रुप के ब्लड डोनरों की आवश्यकता हुई तो सर्जरी महिला मरीज के लिए बी नेगटिव के लिए आशीष व नागेश ने व गर्भवती के लिए ए पॉजिटिव के लिए मोहित व सुमित कुमार ने ब्लड बैंक में रक्तदान कर मरीजो की जान बचाई । उन्होंने शहर के सभी युवा रक्तदाताओं से अपील कि है की इस समय बदलते मौसम की वजह से वायरल फीवर के मरीज आ रहे हैं इसलिए सभी रक्तदाता अमरजेंसी रक्तदान के लिए तैयार रहे और सूचना मिलते ही ब्लड बैंक में रक्तदान के लिए आए । इस अवसर पर लैब टेक्नीशियन सतीश कुमार, कविता लाखलान ,अजय कुमार, केशव

मात्र 250 में खुलवाएं सुकन्या खाता: अधीक्षक

■ सुकन्या समृद्धि योजना के प्रति जागरूकता को 25 व 26 को लगाएं जाएंगे कैम्प : भवानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

घंटाघर स्थित मुख्य डाकघर में अधीक्षक संजय कुमार की अध्यक्षता में सुकन्या समृद्धि योजना को लेकर डाक अधिकारियों की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए डाक अधीक्षक संजय कुमार ने भिवानी शहर के सभी वार्डों, डिवीजन के सभी डाक घरों में सुकन्या समृद्धि योजना के खाते खुलवाने के लिए जागरूकता कैंपों का आयोजन करने के आदेश जारी किए। उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की दिशा में बेहद कारगर है

डाक विभाग की सुकन्या समृद्धि योजना। आम जन अपने नजदीकी डाकघर में अपनी बेटी के नाम सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाए तथा इसकी जानकारी जन-जन तक पहुंचाए। उन्होंने बताया कि खाता खुलवाने के लिए लडक़ी की आयु 10 वर्ष से कम होनी चाहिए। भारत सरकार की यह योजना हर डाक घर में उपलब्ध है। इस योजना के तहत मात्र 250 रुपये में खाता खोला जा सकता है। इस खाते में एक साल में अधिक से अधिक एक लाख 50 हजार रुपये जमा करवा सकते हैं। इस खाते में जमा राशि के अनुसार 8.2 प्रतिशत वार्षिक ब्याज केंद्र सरकार द्वारा जमा करवाया जाएगा। इस खाते पर इन्कम टैक्स में छुट तथा परिपक्वता राशि पर भी टैक्स में छुट है। उन्होंने बताया कि लडक़ी के 10वीं कक्षा पास करने या 18 वर्ष की होने पर शिक्षा के लिए आधा पैसा निकाल सकते हैं तथा विवाह की स्थिति में पूरी राशी निकाल सकते हैं। इस बारे में नपा चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप ने कहा कि बेटियों के उत्थान के लिए यह योजना एक वरदान है। इस योजना के तहत खाते खुलवाने के लिए 25 व 26 अक्तूबर को शहर के प्रत्येक वार्ड में जागरूकता कैंप लगाए जाएंगे जिसके लिए सभी पार्षदों को जिम्मेवारी भी सौंपी जाएगी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सहायक डाक अधीक्षक कुलदीप गर्ग, सहायक डाक अधीक्षक पंकज सैनी, निरीक्षक दीपक शर्मा, पोस्ट मास्टर सतबीर चांगिया, सहायक पोस्टमास्टर विजय तंवर, डीओपीएलआई अंकित यादव, सिस्टम मैनेजर सुनील व आशीष प्रजापति, पोस्टल एसीस्टेंट प्रदीप, अमन, विनोद, विजय, तनुज समेत सभी पोस्टमैन उपस्थित रहे।

फसल अवशेष जलाने की खेतों पर सेटेलाइट की नजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

जिले में इस वक्त धान की कटाई चल रही है। इस वक्त सरकार का पूरा ध्यान खेतों पर ही है ताकि कोई भी किसान धान कटाई के उपरांत फ स ल अवशेषों में आग न लगाएं। कृषि विभाग के उप कृषि निदेशक जितेंद्र कुमार ने बताया कि सरकार इस वक्त सेटेलाइट से पूरे हरियाणा के खेतों पर निगाह रखे हुए हैं ताकि कोई भी किसान खेत में आग ना लगाए। विभाग द्वारा लोगों को फसल अवशेष को लेकर लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में बच्चों के माध्यम से किसानों में जागरूकता लाने के लिए स्कूलों में कार्यक्रम किए जा रहे हैं। शुक्रवार को विवेक बागला तथा कृष्ण कुमार कृषि अधिकारी ने समसपुर स्कूल में बच्चों को जानकारी देते हुए बताया कि यदि कोई किसान फसल अवशेषों में आग लगाएगा तो उनको 5 हजार से लेकर 30 हजार तक का आर्थिक जुर्माना तथा आवश्यक रूप से फिर भी दर्ज की जाएगी। इसके अलावा संबंध किस आने वाले 2 वर्षों तक सरकार को अपनी फसल नहीं बेच सकेगा। उन्होंने बच्चों को बताया कि वो सब अपने परिवार तथा अपने माता-पिता को इस बारे में जागरूक करें ताकि कोई भी किसान परिवार अपने खेत में फसल अवशेषों को आग में लगाए। इसके अलावा कृषि विभाग द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए दी जा रही सभी सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई तथा धान छोड़कर दूसरी फसल अपनाने पर जोर दिया।

■ फसल अवशेष को लेकर लगातार जागरूक भी किया जा रहा

बिहार की जनता पूर्ण बहुमत से बनाएगी एनडीए सरकार: अग्रवाल

बहल। बिहार विस चुनावों को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि जनता ने पीएम मोदी के गतिशील नेतृत्व में बिहार में एनडीए की पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने का फैसला कर लिया है। भाजपा नेता गजानंद अग्रवाल, बहल भाजपा मंडल कोषाध्यक्ष हनुमान शर्मा पाजू, सज्जन फौजी बिधनोई, सतबीर चैहड़ कलां, अजय बिधनोई, पवन शर्मा सुरपुरा ने कहा देश के हर राज्य में जिस तरह से भाजपा की सरकार बन रही है उसी तर्ज पर बिहार चुनावों में जनता समझदारी से काम लेगी और विकसित भारत के सपने को पूरा करने को बिहार में एनडीए सरकार बनाएगी। वहीं महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को सीएम फेस घोषित किया, जिससे बिहार की जनता पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बिहार की जनता ने लालटेन राज के तानाशाही शासन को कभी नहीं भूल सकती।

वोट चोरी हस्ताक्षर अभियान जोर शोर से चलाएं कार्यकर्ता : राव नरेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि पार्टी को सभी एकजुट होकर आगे बढ़ाए, बीजेपी द्वारा जो आम आदमी को पूरी तरह से हाशिए पर धकेलने की कोशिश की जा रही है उसे कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। उन्होने कहा कि लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आह्वान पर चल रहे हस्ताक्षर अभियान में अधिक से अधिक सहभागिता करे व करवाए। उन्होंने सभी साथियों से आहवान किया कि देश व्यापी वोट चोर हस्ताक्षर अभियान को जोर शोर से सभी अपने अपने क्षेत्र में चलाएं और जन-जन तक पहुंचकर भाजपा की वोट चोरी का खुलासा करें। यह बात उन्होंने दादरी जिले से उनके नारनौल स्थित निवास पर पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहीं। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील धानक की अगुवाई में उनसे मुलाकात की गई। उन्होंने कहा कि बढ़ती बेरोजगारी महंगाई ने लोगों का जीना बेहाल कर दिया है।

दादरी। उपस्थित को संबोधित करते कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह।

ठाकुर बीरसिंह जयंती समारोह होगा ऐतिहासिक

■ भाजपा नेता ठाकुर विक्रम सिंह ने चलाया जनसम्पर्क अभियान लोगों को दिया निमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

शुक्रवार को वरिष्ठ भाजपा नेता ठाकुर विक्रम सिंह ने पूर्व मंत्री स्व. ठाकुर बीर सिंह की 26 अक्तूबर को जयंती पर होने वाले समारोह की सफलता के लिए जनसम्पर्क अभियान चलाया। गांव लोहारी जाटू, तिगड़ाना, बापौड़ा तथा भिवानी के विभिन्न इलाकों में जनसम्पर्क अभियान चलाकर लोगों को जयंती समारोह का न्यौता दिया।

गांवों में पहुंचने पर लोगों ने उनको फूलों की माला पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि भिवानी में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ठाकुर बीर सिंह की ही देन है, उनकी बदौलत ही भिवानी में शिक्षा बोर्ड स्थापित हो पाया था। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग में भी बहुत से सुधार किए। कॉपरेटिब बैंक में चैक बुक व पास बुक का नियम ठाकुर बीर सिंह द्वारा ही लागू किया गया था। उससे किसानों को कई तरह के फायदें हुए। उन द्वारा लागू करवाए गए नियमों का फायदा आज भी लोगों को मिल रहा है। जयंती समारोह भीड़ की लिहाज से ऐतिहासिक होगा। समारोह से ज्यादा भीड़ पहुंचेगी। यहां यह बताते चले कि 26 अक्तूबर को शकुंतला गार्डन में जयंती कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें बतौर मुख्यअतिथि भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद अरूण सिंह, अति विशिष्ट भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, हरियाणा प्रदेश प्रभारी सतीश पुनिया तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर केबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा, सांसद धर्मबीर सिंह, विधायक सुनील सांगवान, उमेद पातूवास बाढ़ड़ा, कपूर वाल्मीकि बवानीखेड़ा,राजस्थान भाजपा प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि, भिवानी के विधायक घनश्यामदास सर्राफ, भाजपा जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक शिरकत करेंगे। कार्यक्रम में सान्निध्य आरएसएस राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डा. इंद्रेश का रहेगा।

नशामुक्ति, साइबर क्राइम, वीमेन हेल्पलाइन पर जागरूकता कार्यक्रम

युवा पीढ़ी को नशे से दूरी बनाना जरूरी : सिंह

ऑनलाइन धोखाधड़ी या उत्पीड़न की स्थिति में तुरंत 1930 हेल्पलाइन या नजदीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

बीआर शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित आईपीएस स्कूल में शुक्रवार को छात्रों के लिए नशामुक्ति, साइबर क्राइम, वीमेन हेल्पलाइन व दुर्गाशक्ति विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में एसएचओ सतवीर सिंह, सदर थाना चरखी दादरी व महिला कांस्टेबल रिंकी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। सिंह ने युवाओं को नशे से दूर रहने की प्रेरणा देते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के जीवन को अंधकारमय बना देता है। यह व्यक्ति और समाज दोनों को खोखला करता है। युवा पीढ़ी देश का भविष्य है, उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए नशे से दूरी बनाकर रखना चाहिए।

भिवानी। कार्यक्रम में उपस्थित को संबोधित करते एसएचओ सतवीर सिंह।

इंटरनेट का प्रयोग सोच-समझकर करें

उन्होंने साइबर क्राइम के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी और कहा कि इंटरनेट का प्रयोग सोच-समझकर करें। उन्होंने अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन धोखाधड़ी या उत्पीड़न की स्थिति में तुरंत 1930 हेल्पलाइन या नज़दीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क करें। वहीं महिला कांस्टेबल रिंकी ने दुर्गाशक्ति एप व महिला सुरक्षा से जुड़ी जानकारियां देते हुए बताया कि हर महिला को अपने अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए। पुलिस हर समय आपकी सुरक्षा के लिए तत्पर है। किसी भी समस्या में तुरंत हेल्पलाइन डायल 112 या दुर्गाशक्ति एप का उपयोग करें। उन्होंने छात्राओं को जागरूक रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के अंत में संस्थान के चेयरमैन कृष्ण भारद्वाज ने कहा कि नशा, साइबर अपराध और महिला उत्पीड़न जैसी सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने के लिए पुलिस व समाज को मिलकर कार्य करना होगा। ऐसे जागरूकता कार्यक्रम समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर प्रधानाचार्य, शिक्षकगण सहित अनेक उपस्थित रहे ।

आवश्यक दिशा निर्देश दिए

सीजेएम ने नशा मुक्ति केंद्र व अन्य स्थानों का किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने नागरिक अस्पताल में स्थित नशा मुक्ति केंद्र, सिंघाना रोड पर स्थित श्री माधव कल्याण समाज ट्रस्ट, सेफ हाउस पुलिस लाइन नारनौल, सेवा सीनियर नागरिक गृह नसीबपुर व वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। नीलम कुमारी ने नागरिक अस्पताल में स्थित नशा मुक्ति केंद्र का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पुलिस लाइन में स्थित सेफ हाउस का दौरा कर उन्होंने यहां उपलब्ध सुविधाओं, जैसे कानूनी सहायता, चिकित्सा सुविधा और परामर्श सेवाओं की जानकारी ली। सीजेएम ने सीनियर नागरिक गृह नसीबपुर का भी दौरा किया।

खबर संक्षेप

देवउठनी ग्यारस पर कहीं न हो बाल विवाह

चरखी दादरी। देवउठनी ग्यारस पर सामाजिक प्रथा बाल विवाह होने का अंदेशा बना रहता है, जो बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के अन्तर्गत कानूनी अपराध है। इसको लेकर संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध विभाग द्वारा बाल विवाह रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत 18 वर्ष से कम आयु की लड़की व 21 वर्ष से कम आयु के लड़के को नाबालिग माना जाता है।

सुनील के बहनोई के निधन पर जताया शोक

तोशाम। भगवान परशुराम जनसेवा समिति तोशाम इकाई के प्रधान सुनील शर्मा के बहनोई के निधन पर अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने शोक व्यक्त किया है। इस दौरान पूर्व राज्यसभा सांसद जनरल डीपी वत्स ने शोक पत्र भेजकर दुख व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि गति 21 अक्टूबर को बीमारी के चलते प्रधान सुनील शर्मा के बहनोई 72 वर्षीय मंगाली निवासी दीपचंद कौशिक का निधन हो गया था।

पांच लाख पशुओं का किया जाएगा टीकाकरण

भिवानी। पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं को मुंह खुर और गलघोटू बीमारी से बचाने के लिए टीका करण अभियान शुरू किया गया है। यह अभियान 23 अक्टूबर से 23 नवंबर तक चलेगा। पशुपालक अपने पशुओं का टीकाकरण जरूर करवाएं। ये जानकारी देते हुए पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. रविंद्र सहरावत ने बताया कि जिला में करीब पांच लाख पशुओं का टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए कई टीमों का गठन किया गया है।

विश्व पोलियो दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

भिवानी। रोटरी क्लब भिवानी डाउनटाउन ने विश्व पोलियो दिवस पर शिशु भारती हाई स्कूल में पोलियो जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। विद्यालय के निदेशक करण मिर्ग व प्राचार्या ज्योति चान्दना ने क्लब के सदस्यों को पौधे भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता बाल रोग विशेषज्ञ रोटेरियन डॉ. राज महता ने उपस्थित छात्रों को पोलियो के विषय में जानकारी प्रदान की गई।

चारा मंडी, बीटीएम और बापोड़ा में गोयल ऑयल मिल का किया दौरा

टेक्सटाइल मंत्रालय की सचिव ने कपास उत्पादक किसानों की समस्याएं जानी

किसानों से कपास की बिजाई से लेकर उत्पादन की तक की विस्तार से जानकारी ली

भिवानी। खेतों में कपास की चुनाई कर रही एक महिला से बातचीत करती व कृषि विभाग के अधिकारियों से कपास की फसल की जानकारी लेती सचिव नीलम शमी राव। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

टेक्सटाइल मंत्रालय, भारत सरकार की सचिव नीलम शमी राव शुक्रवार को भिवानी पहुंची। उन्होंने गांव बापोड़ा के खेतों में जाकर कपास उत्पादक किसानों से बात की और उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने भिवानी की चारा मंडी, बीटीएम मिल और गांव बापोड़ा में गोयल ऑयल मिल का भी किया दौरा। इस दौरान डीसी साहिल गुप्ता और एसडीएम महेश कुमार भी मौजूद रहे।

गांव बापोड़ा के खेतों में जाकर कपास उत्पादक किसानों से बात की और उनकी समस्याएं सुनी

कपास के बीज तैयार होगा जिस पर सुंडी का प्रकोप नहीं होगा

सचिव शमीराव ने किसानों से कपास की बिजाई से लेकर उत्पादन की तक की विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने किसानों से कपास उत्पादन में आने वाली परेशानियों के बारे में विस्तार से पूछा। किसानों ने शमीराव को बताया कि कपास में गुलाबी सुंडी के प्रकोप से उत्पादन बहुत कम हो रहा है। इसके साथ ही कपास की गुणवत्ता में भारी कमी आ रही है, जिससे भाव आधे रेट पर मिल रहा है। इससे किसान को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों ने सचिव शमीराव से कपास का ऐसा बीज तैयार करवाने को कहा कि जिस पर गुलाबी सुंडी का प्रकोप न हो, जिससे फसल पैदावार गुणवत्तायुक्त अच्छी हो।

कपास की बोली प्रक्रिया की ली जानकारी

वहीं दूसरी ओर सचिव भिवानी चारा मंडी पहुंची और वहां पर कपास खरीद की बोली प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने बोली प्रक्रिया को पूरी पारदर्शी ढंग से किए जाने के निर्देश दिए और कहा कि किसान के साथ धोखा नहीं होना चाहिए। उन्होंने गांव बापोड़ा में गोयल आयल मिल में पहुंचकर वहां पर कपास से बिनौला निकालने, बिनौले से तेल निकालना और कपास की गांठ बनाने की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने बीटीएम मिल का भी दौरा किया कपड़ा उत्पादन के बारे में जानकारी ली। इस दौरान कृषि विभाग के उप निदेशक डॉ. विनोद फौगाट, डॉ. संजय मेचू, डीएमईओ गगन जोशी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी व किसान तथा गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

लोकल चैनल पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों पर रहेगी नजर

भिवानी। उपस्थित को संबोधित करते हुए नगराधीश अनिल कुमार ।

■ लघु सचिवालय में लोकल केबल टेलीविजन नेटवर्क मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक में निर्णय

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में नगराधीश अनिल कुमार की अध्यक्षता में लघु सचिवालय परिसर स्थित उनके कार्यालय में लोकल केबल टेलीविजन नेटवर्क मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में नगराधीश ने निर्देश देते हुए कहा कि लोकल केबल चैनल की सही ढंग से निगरानी की जाए। इसके साथ ही कमेटी के पास आने वाली शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। नगराधीश ने कहा कि लोगों को लोकल केबल टेलीविजन नेटवर्क मॉनिटरिंग कमेटी के बारे में जागरूक किया जाए ताकि नागरिक लोकल केबल या उस पर प्रसारित होने वाले तथ्यता से संबंधित शिकायत दे सकें। उन्होंने बताया कि केबल टेलीविजन नेटवर्क अधिनियम 1995 के तहत दिए गए नियमों की अवहेलना नहीं होनी चाहिए। अनाधिकृत रूप से चैनल नहीं चलना चाहिए। यदि कोई लोकल केबल टेलीविजन नेटवर्क चलाने वाला नियमों की अवहेलना करता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाए। नागरिक निगरानी कमेटी के सदस्य सचिव डीआईपीआरओ सुरेंद्र सिंगल के लघु सचिवालय स्थित कार्यालय में शिकायत दे सकते हैं, जिसको कार्रवाई के लिए बैठक में रखा जाएगा।

मौजूद रहे

बैठक में मौजूद निगरानी कमेटी सदय दूरदर्शन संवाददाता इंद्रवेश दूहन ने कहा कि चैनल पर समाज के विकास में रचनात्मक योगदान देने वाले कार्यक्रम प्रसारित होने चाहिए। प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रमों में जाति, धर्म, भाषा या अन्य किसी भी प्रकार से समाज को हानि पहुंचाने वाली, भडकाऊ या किसी भी प्रकार की गलत या तथ्यहीन सामग्री प्रसारित न हो। बैठक के दौरान पुलिस विभाग से निरीक्षक सुनील कुमार, बाल सेवा आश्रम से सेवानिवृत न्यायिक अधिकारी वेद प्रिय आर्य, राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय से प्राचार्य डॉ. त्रिलोक चंद, प्रोफेसर जगबीर मान व ऋतु बंसल मौजूद रहे।

मेडिकल कैंप तथा रोजगार मेला लगाया

■ माडल दादरी जिला बनाओ संगठन की पहल

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

माडल दादरी जिला बनाओं संगठन द्वारा बीजेपी राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड के जन्मदिन उपलक्ष्य में गोपालवास व कादमा में रक्तदान व मेडिकल कैंप तथा रोजगार मेला लगाया गया। इसकी अध्यक्षता राम अवतार कादमा, हरेंद्र ढींढवाल ने की। मुख्य अतिथि महंत हरीश गिरी व विकास शर्मा रहे। विधिवत आरंभ करवाते हुए सामाजिम मुहिमों की तारीफ की। इस कडी के 1581वा मेडिकल कैंप,

दादरी। बैज लगाकर रक्तदान शिविर का शुभारंभ करते उपस्थित जन ।

1373 तथा 1374वां रक्तदान व 273वां रोजगार मेला रहा। एम्स बाढ़सा की टीम ने 38 यूनिट रक्त एकत्रित किया, बैज लगाए प्रमाण पत्र बांटे। मेडिकल कैंप में गीताजंली, आईक्यू के चिकित्सकों ने 109 आंख व सामान्य रोग के मरीज जांचे, दवा वितरण हुआ। चिकित्सीय टीम मधुलिका,अनूप, संजय, रजत व सहयोगियों ने सेवाएं दी। रोजगार मेले में कंपनियों ने 7 युवाओं को चयनित किया। युवा

ये रहे मौजूद

इस मौके पर श्रीराम, दीपक, मंजीत, मोहित, सुबे, बलराज, ओमप्रकाश, ललित, प्रदीप, हनुमान, प्रकाश, विजयंत, आदित्य, अमित, सुभाष, मनोज, राजकुमार, विकास, संजीत, संदीप, दिनेश यादव, सुमित, बंसीलाल, मनीराम, सजजन आशीष, अरविंद उपस्थित थे।

विंग अध्यक्ष अधिवक्ता अनिलबलवान साहू ने कहा कि आज के समय में युवा पीढ़ी को बेहद ही सकारत्मक रूख अपनाने की आवश्यकता है, क्योंकि कई बार परिस्थितियां उन्हें विचलित कर देती है, ऐसे में वो स्थितियों का आंकलन ठंडे दिमाग से करे व आगे बढ़े।

नागरिक वायु गुणवत्ता सूचकांक के स्तर के अनुरूप नियमों का करें पालनः डीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु नागरिक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के स्तर के अनुरूप की पालना करे। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के स्तर के अनुरूप वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा अधिसूचित ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (जीआरएपी)के अनुपालन में जिला प्रशासन द्वारा वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए विभिन्न निवारक एवं सुधारात्मक उपाय लागू किए जा रहे हैं। डीसी साहिल गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि चरण–I : खराब वायु गुणवत्ता (दिल्ली एक्यूआई 201–300) होने पर निर्माण एवं विध्वंस स्थलों पर धूल नियंत्रण उपाय करने होंगे। इसके लिए सभी संबंधित एजेंसियां शहरी स्थानीय निकाय, लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई, एचएसआईआईडीसी तथा मार्केटिंग बोर्ड, धूल निवारण उपायों एवं निर्माण/विध्वंस अपशिष्ट के उचित प्रबंधन को सुनिश्चित करेगी। उन्होंने बताया कि निर्माण गतिविधियों का नियमन के तहत 500 वर्ग मीटर या उससे अधिक क्षेत्रफल वाले निर्माण प्रोजेक्ट्स को राज्य पोर्टल पर पंजीकृत किया जाना अनिवार्य है तथा (सीएक्यूएम के निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए शहरी स्थानीय निकाय नियमित रूप से नगर ठोस अपशिष्ट तथा खतरनाक अपशिष्ट को निर्धारित स्थानों से उठाने और खुले स्थानों पर अवैध फेंकने पर रोक सुनिश्चित करें।

जन सहयोग की अपील

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षत्रीय अधिकारी डॉ सुनील कुमार श्योराण ने बताया कि जिला प्रशासन ने समस्त नागरिकों, औद्योगिक इकाइयों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों से अपील की है कि वे वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु अपनाए जा रहे उपायों में सहयोग करें। सामूहिक प्रयासों से ही वायु गुणवत्ता में सुधार संभव है। शिकायत एवं जानकारी के लिए जिला नियंत्रण कक्ष भिवानी में संपर्क करें।

हर पात्र महिलाओं को लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ मिलना चाहिएः डीसी

■ समीक्षा बैठक में उपायुक्त साहिल ने अधिकारियों को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

डीसी साहिल गुप्ता की अध्यक्षता में लघु सचिवालय सभागार में दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में डीसी ने जिला परिषद, कल्याण विभाग व समाज कल्याण विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र महिला दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के लाभ से वंचित नहीं रहनी चाहिए। उपायुक्त गुप्ता ने मौजूद क्रीड

भिवानी। समीक्षा बैठक को संबोधित करते उपायुक्त साहिल गुप्ता।

विभाग के कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे सीपीएलओ और ग्राम सचिव को ट्रेनिंग दें ताकि गांव में कैंप लगाकर लोगों को जागरूक किया जा सके, और जिसमें ज्यादा से ज्यादा पात्र महिलाओं का रजिस्ट्रेशन करवाया जा सके। उन्होंने नगर परिषद को भी निर्देश दिए कि वे शहर में सभी वार्ड में कैंप लगाकर पात्र महिलाओं का रजिस्ट्रेशन करें। दस्तावेजों की सत्यापन प्रक्रिया में तेजी लाएं ताकि योग्य व जरूरतमंद आवेदकों को योजना का लाभ मिल सके। बैठक में क्रीड के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला भिवानी में करीब एक लाख 723 ऐसी महिलाएं हैं, जिनकी आय एक लाख रुपए से कम है, दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना की श्रेणी में आती हैं।

जनता मूलभूत सुविधा के लिए परेशान, जनप्रतिनिधि गायब

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढड़ा

■ पूर्व विधायक सोमबीर सिंह श्योराण ने बोला हमला

प्रदेश में किसान नौजवान अपने अधिकारों के लिए सडक़ों पर व धरना प्रदर्शन करने को मजबूर है लेकिन सरकार में बैठे जनप्रतिनिधि इनकी आवाज सुनने की बजाए गायब हो गए हैं। एक माह बाद भी भावांतर जारी न होने से सरकार की किसान हितैषी दावों पर सवाल खड़ा हो गया है। यह बात पूर्व विधायक व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सोमबीर सिंह श्योराण ने गांव काकड़ौली, पिचौपा, कादमा, झोझू कलां और बाढड़ा के दौरे पर ग्रामीणों के समक्ष कही। उन्होंने कहा कि एक तरफ किसान को खरीफ की फसल में अधिक वर्षा होने से मार झेलनी पड़ रही तो दूसरी तरफ रबी की फसल के लिए डीएपी खाद की किल्लत से दो चार होना पड़ रहा है। किसानों की आवाज को चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा विधानसभा में मजबूती देंगे तो दूसरी तरफ राव नरेंद्र सिंह कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सडक़ पर किसान मजदूर कमेरे वर्ग की आवाज को मजबूती से साथ देंगे। अपील की कि वे लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए एकजुट हों, क्योंकि यदि संस्थाएं ही निष्पक्ष नहीं रहीं, तो आमजन का न्याय तक पहुंचना मुश्किल हो जाएगा।

सामाजिक संगठन ने करवाई प्रतियोगिता थाना प्रभारी को किया मोमेंटो भेंट

■ बवानी खेड़ा स्थित हुडा खेल स्टेडियम में कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा स्थित हुडा खेल स्टेडियम में प्रतिज्ञा सेवा समिति के अध्यक्ष संजय मिलखा द्वारा दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया जिसमें स्थानीय विधायक कपूर वाल्मीकि, जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र कौशिक, मार्किट कमेटी प्रधान राजू हंस, उपप्रधान पितराम, मंडी प्रधान सुखबीर भाकर, अंकित सनसनीवाल, जगत जाखड़, सोनू सांगवान, कालू, संदीप गोयत, दिनेश तवंर, मोहित यादव, दिनेश

बवानीखेड़ा। दौड़ प्रतियोगिता के सफल आयोजन होने पश्चात थाना प्रभारी को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

तवंर, सुखबीर थोरी, कृष्ण शर्मा आदि ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। वहीं समिति अध्यक्ष व समाजसेवियों ने मिलकर थाना प्रभारी औमप्रकाश को प्रतियोगिता के सफल होने पर मोमेंटों भेट किया। खेल स्टेडियम में प्रतिज्ञा सेवा समिति के अध्यक्ष संजय मिलखा ने बताया कि समिति द्वारा समय-समय पर ऐसी प्रतियोगिताएं कराई जाती है व रक्तदान शिविर सहित सामाजिक धार्मिक कार्यों में हिस्सा लिया जाता है।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

जब मन में सच्ची श्रद्धा व भाव हो तो कोई भी कार्य किसी आयु का मोहताज नहीं : जलधीर कलकल

525 किमी साइकिल जत्थे ने किए खाटू श्याम व सालासर दर्शन

दोनों धामों पर पहुंचे श्रद्धालुओं के साथ मत्था टेक कर अनुभवों को सांझा किया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

आस्था व श्रद्धा में बड़ी ताकत होती है, जब अपने ईष्ट से इंसान की लौ लग जाती है तो उसके दर्शन के लिए वो सैकडों किलोमीटर दूर का सफर भी साईकिल के जरिए आसानी से पूरा कर सकता है फिर चाहे वो नौजवान हो या बुजुर्ग। यही साबित

दादरी। साईकिल के द्वारा धाम पहुंचने पर उपस्थित साईकित जत्थाधारी।

किया है हाल ही में दादरी से साईकिल के जरिए खाटू श्याम व सालासर पहुंच कर वहां दर्शन कर वापस लौटने वाले बुजुर्गों तथा प्रौढों के जत्थे ने। इस यात्रा का मूल लक्ष्य अपने ईष्ट के दर्शन करने सहित आपसी मैत्री व सद्भाव को बढ़ाना, राजस्थान की संस्कृति को समझना तथा पूरे देश से इन दोनों धामों पर पहुंचे श्रद्धालुओं के साथ मत्था टेक कर अपने अनुभवों को सांझा करने का रहा।

राज्य स्तरीय राज्यपाल अवार्ड से सम्मानित

जत्थे में शामिल मूल रूप से गांव इमलोटा निवासी तथा वर्तमान में दादरी के प्रेम नगर में रह रहे 62 वर्षीय राज्य स्तरीय राज्यपाल अवार्ड से सम्मानित सेवानिवृत जिला शिक्षा अधिकारी जलधीर कलकल, नगर के रेलवे रोड पर अपनी दुकान संचालित करने वाले 63 वर्षीय कलियाणा निवासी नरेंद्र मितल, प्रेम नगर में रहने वाले समाज सेवी 54 वर्षीय जयभगवान मल्हान, राज मिस्त्री, कलियाणा निवासी 51 वर्ष के श्रीभगवान शर्मा ने लगातार पांच दिनों के करीबन 525 किलोमीटर साईकिल द्वारा यात्रा पूरी करके खाटू श्याम व सालासर की यात्रा को पूरा किया। खास बात यह रही कि लगातार रोजाना लगभग 105 किलोमीटर की यात्रा पूरी करने वाला यह जत्था पूरी तरह से इस यात्रा के दौरान स्वस्थ रहा। इसी सप्ताह में कुछ दिनों पहले इस जत्थे ने दादरी के रेस्ट हाउस स्थित हनुमान मंदिर से बाबा से आर्शीवाद लेकर अपनी साईकिल यात्रा को आरंभ किया। इसके उपरांत पांच दिनों के दौरान लोहारू, सूरजगढ, चिडावा झुंझनु, नवलगढ, लक्ष्मणगढ होते हुए सालासर पहुंच बाबा के दर्शन किए। इसके उपरांत वाया सीकर से खाटु श्याम पहुंच कर वहां बाबा श्याम से आशीर्वाद लिया तथा पुन झुंझनु, चिडावा, सतनाली होते हुए यात्रा का समापन स्थानीय रेस्ट हाउस में किया गया। साईकिल जत्थे में शामिल सभी को नगर व क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने शुभकामनाएं प्रदान की।